नमीं चेतना बारै

क्र.	अंक	म्हीना	विशे सूची	
3.	3	अगस्त 1954	शुभ लक्खन	
			लोक गीत	
			गद्दियों का एक नत्य संगीत, ईर्ष्या की जलन, नूरपुर, जम्मू, चम्बी	
			कविता क्यारी	
			डोगरा पैंछी	- किशन स्मैलपुरी
			कृष्ण लीला	- रघूनाथ सिंह सम्याल
			परदेस जाई	- केहरसिंह मधुकर
			राजरानी हिन्दी	- हरदत्त शास्त्री
			दादी ते मा	- दीनू भाई पन्त
			मेरा देस	- यश शर्मा
			कवि ते कविता	- राम कुमार अबरोल
			आत्म नवेदन	- रामनाथ शास्त्री
			कम्म बल्हेरे	- शम्भूनाथ शर्मा
			वैष्णो देवी (गद्य)	- कृपाराम शास्त्री
			बिंद क जोर गै जग्गना होर	- वेदपाल 'दीप'
			अम्मां	---
			परजा दे भाग	---

हिन्दी

अलमस्त	**- रक्षादेवी प्रभाकर**
नई दिल्ली में डोगरा कला प्रदर्शनी	---

English

Maharaja Gulab Singh and the woman who awakened him.
- Dr. Siddheshwar Verma